Total number of printed pages–4

14 (HIN–3) 3046

2019

HINDI

Paper : HIN-3046

(Hindī Kā Nibandh Sāhitya)

(हिन्दी का निबन्ध साहित्य)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) यदि हमारा मन बढ़ा हुआ रहता है तो हम बहुत से काम प्रसन्नतापूर्वक करने के लिए तैयार हो जाते हैं। इसी बात का विचार करके सलाम-साधक लोग हाकिमों से मुलाकात करने के पहले अर्दलियों से उनका मिजाज़ पूछ लिया करते हैं।

Contd.

(ख) पण्डिताई भी एक बोझ है — जितनी-ही भारी होती है उतनी ही तेजी से डुबाती है। जब वह जीवन का अंग बन जाती है तो सहज हो जाती है। तब वह बोझ नहीं रहती।

(ग) आज का छितवन पार्थिव जीवन के संचित स्नेह का प्रतीक है और उसमें उस जीवन की समष्टि, सिमट कर, लुका-छिपी खेलते-खेलते सदा के लिए नवीन हो गई है। छितवन की छाँह दोनों हैं, आँख-मिचौनी की दौड़-धूप और उसकी मीठी थकान।

(घ) जड़ता का जीवन दर्शन अब शासन ने पूरी तरह नियामक नीति के रूप में स्वीकार कर लिया है, हिंसा का जवाब सरकार क्यों दे, जनता देगी। गरज सरकार की है या जनता की। सरकार जनता की है; पर जनता सरकार की तो है नहीं।

2. *किन्हीं तीन* प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3=36

(क) मनोविकार को परिभाषित करते हुए शुक्लजी के *किसी एक* पठित मनोविकार विषयक निबन्ध की समीक्षा कीजिए।

(ख) 'श्रद्धा-भक्ति' निबन्ध के आधार पर श्रद्धा और भक्ति में निहित साम्य और वैषम्य पर प्रकाश डालिए।

(ग) 'रवीन्द्रनाथ के राष्ट्रीय गान' शीर्षक निबन्ध के आधार पर राष्ट्रीय साहित्य-संस्कृति में रवीन्द्रनाथ की देन को रेखांकित कीजिए।

(घ) 'घर जोड़ने की माया' शीर्षक निबन्ध के प्रतिपाद्य को स्पष्ट कीजिए।

(ङ) 'भारतीय संस्कृति की देन' शीर्षक निबन्ध के आधार पर भारतीय संस्कृति की प्रमुख विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

(च) 'ललित निबध' में 'ललित' शब्द का क्या तात्पर्य है? विद्यानिवास मिश्रजी के 'शिवजी की बारात' निबन्ध की समीक्षा ललित निबन्ध-कला की दृष्टि से कीजिए।

(छ) विद्यानिवास जी के पठित निबन्धों के आधार पर उनकी व्यंग्यात्मक शैली पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

3. *किन्हीं तीन* प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×3=12

(क) निबन्धों के प्रकारों का परिचय दीजिए।

(ख) 'लोभ' और 'प्रीति' को परिभाषित कर दोनों में निहित एक साम्य और एक वैषम्य के उदाहरण दीजिए।

(ग) शुक्लजी की निबन्ध-भाषा की *किन्हीं चार* विशेषताएँ लिखिए।

(घ) "रवीन्द्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानवसमुद्र' कहा है।" — हजारी प्रसाद जी ने 'अशोक के फूल' में इसके लिए क्या तर्क दिए हैं?

(ङ) 'आज मुझे भी हर सिंगार की ही जरुरत है।' — लेखक को इसकी क्यों जरूरत पड़ी है?

(च) 'अपनी प्रासंगिकता' के आधार पर उसके मूल विषय को सांकेतिक रूप में स्पष्ट कीजिए।

(छ) विद्यानिवास जी की भाषा-शैली की *किन्हीं चार* विशेषताएँ लिखिए।